

# मीडिया और विकास संचार

सम्पादक  
डॉ. योगेन्द्र कुमार पाण्डेय



दीपांश पब्लिकेशन्स  
पालम रोड, नई दिल्ली-45

**Disclaimer**

"The views expressed in this book are those of the individual authors and do not necessarily reflect the views of the editors, the publisher, or any other organization associated with the creation or publication of this work. The authors are solely responsible for the content of their respective chapters, including any errors or omissions that may be present. The editors and publisher make no representation or warranty, express or implied, with respect to the accuracy, completeness, or suitability of the contents of this book for any purpose."

© प्रकाशक

शीर्षक : मीडिया और विकास संचार  
सम्पादक : डॉ. यागेन्द्र कुमार पाण्डेय  
**Edition** : 2022  
**ISBN** : 978-93-85359-79-8

*Published by :*

**Deepansh Publication**

R.Z. B-57, Vijay Enclave, Dabri

Palam Road, New Delhi-45

E-mail : [deepanshpublication@gmail.com](mailto:deepanshpublication@gmail.com)

*Printed at :*

Shree Bala Jee Book Craft,

Delhi-53

## भूमिका

पत्रकारिता और जनसंचार का कार्य अनादि काल से चलता चला आ रहा है। देवर्षि नारद को आदि पत्रकार की संज्ञा दी गई है। इतिहास में भी समाचार प्रदाताओं की महत्ता सिद्ध है। महाभारत काल में संजय द्वारा हस्तिनापुर के महाराज धृतराष्ट्र को कुरुक्षेत्र में चल रहे युद्ध का ब्यौरेवार समाचार सुनाने की घटना सजीव प्रसारण का पहला और लिखित दस्तावेजी उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है। कोई भी दौर रहा हो, राजा-महाराजाओं से लेकर मुगल शासकों और ब्रिटिश हुकूमत तक सूचना और समाचार की प्रासंगिकता बनी रही है। इसी खूबी के चलते सूचना के बारे यहां तक कह दिया गया है कि आने वाले समय में दुनिया-भर में वही राज करेगा, जिसके पास सूचना आधिक्य होगा। सूचनाएं प्राप्त होने पर घातक हथियारों से लैस बड़ी से बड़ी सेना से लड़ा जा सकता है या बचाव किया जा सकता है। यह तो पत्रकारिता या संचार व्यवस्था की एक उपयोगिता है।

समय के साथ सूचनाओं का उपयोग तरह-तरह से किया जाने लगा है। मनुष्य जिज्ञासु प्रवृत्ति का होता है। उसकी इसी प्रवृत्ति ने पत्रकारिता एवं जनसंचार क्षेत्र को आजीविका के महत्वपूर्ण साधन के रूप में विकसित किया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म्स की सफलता सूचनाओं इसी उपयोगिता और मानवीय जिज्ञासु प्रवृत्ति का ही परिणाम है। सरकारों ने पत्रकारिता एवं जनसंचार की उनकी विशिष्ट खूबी के चलते लोक कल्याणकारी योजनाओं को बनाने और संचालित करने के लिए सहयोग लेना शुरू किया, जो बदस्तूर जारी है। सरकार और अन्य संस्थाओं ने इस कार्य के लिए स्वतंत्र प्रकाशन के साथ-साथ अपने निज प्रकाशन का सहयोग ले रहे हैं।

प्रस्तुत पुस्तक पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में एक अनूठी पहल है। इस पुस्तक के माध्यम से पाठकों एवं पत्रकारिता के विद्यार्थियों को विकास

पत्रकारिता के साथ-साथ मीडिया के विभिन्न स्वरूपों में परिवर्तन आने का मौका होगा। पुस्तक में विकास पत्रकारिता एवं आत्मनिर्भर भारत योजना, सोशल मीडिया और हिन्दी मीडिया पर मालिकाना हक, विज्ञापनों के बदलते व्यवस्थापन, न्यू पोर्टल्स की पत्रकारिता, सामुदायिक रेडियो आदि के बारे में विस्तार से जानने का मौका मिलेगा। बदलते राजनीतिक माहौल में बदलते मीडिया कंटेंट, मीडिया के सामाजिक सरोकार, विकास संचार में उपादेयता, बहुसांस्कृतिक प्रवासियों का 'स्थानीय' से संवाद में 'न्यू मीडिया' की भूमिका को भी इस पुस्तक के माध्यम से जाना और समझा जा सकेगा। भारतीय चिकित्सा पद्धति और समाज, जनसम्पर्क अभियान, जैव विविधता एवं पर्यावरण जैसे मुद्दों को पुस्तक के माध्यम से पाठकों से साझा करने की कोशिश की गई है।

इस पुस्तक में सामान्य तौर पर पाठकों को पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभिन्न विधाओं के बारे में सक्षिप्तता के साथ थोड़ा-थोड़ा विषयगत पाठ्यक्रम समाहित किया गया है। प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया और परंपरागत माध्यमों के बारे में जानकारी दी गई है। विकास पत्रकारिता के उदाहरण के रूप में विभिन्न विषयों को लेखकों द्वारा उठाने की कोशिश की गई है। विज्ञापन और जनसंपर्क की प्रासंगिकता का उल्लेख वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखते हुए किया गया है। वैसे पत्रकारिता एवं जनसंचार का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, उसे एक पुस्तक में समाहित कर पाना मुमकिन नहीं है। फिर भी ज्यादातर विषयों को इसमें सम्मिलित करने की कोशिश की गई है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शिक्षकों से उनके आलेख आमंत्रित कर प्रकाशित किये गये हैं। उम्मीद की जाती है कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए यह पुस्तक काफी उपयोगी साबित होगी।

सम्पादक

## अनुक्रमणिका

### भूमिका

1. विकास पत्रकारिता एवं आत्मनिर्भर भारत योजना  
योगेन्द्र कुमार पाण्डेय
2. सोशल मीडिया और हिन्दी  
दिवाकर अवस्थी
3. मीडिया पर मालिकाना हक किसका?  
योगेन्द्र कुमार पाण्डेय
4. स्वतंत्रता आन्दोलन और बनारस की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ  
दिवाकर अवस्थी
5. विज्ञापनों का बदलता स्वरूप  
योगेन्द्र कुमार पाण्डेय, गोविन्द जी पाण्डेय
6. न्यूज पोर्टल्स की पत्रकारिता  
ओमशंकर गुप्ता
7. सामुदायिक रेडियो से विकास में आने वाली चुनौतियाँ एवं समाधान  
साधना श्रीवास्तव
8. राजनीतिक दबाव में बदलता मीडिया कंटेंट  
ऋतेश चौधरी, सुधीर देवली
9. मीडिया के सामाजिक सरोकार  
जीतेन्द्र डबराल

10. विकास संचार की उपादेयता  
रश्मि गौतम
11. बहुसांस्कृतिक प्रवासियों का 'स्थानीय' से संवाद में  
'न्यू मीडिया' की भूमिका  
वेद प्रकाश सिंह, विशाल शर्मा
12. भारतीय चिकित्सा पद्धति और समाज का विश्लेषणात्मक अध्ययन  
विशाल शर्मा, मनीष कुमार जैसल
13. जनसम्पर्क अभियान  
जीतेन्द्र डबराल, डॉ. वन्दना नौटियाल
14. जैव विविधता एवं पर्यावरण  
दिवाकर अवस्थी
15. प्राइम टाइम : वक्ता, विवाद और व्यापार  
विशाल शर्मा, ओम शंकर गुप्ता, अंकित कुमार
16. 'Change in the content of Watchdog with undue pressure'  
Ritesh Chaudhary, Shobha Chaudhary
17. The Evolving Role of Advertising Messaging –  
From USP driven to being 'Purpose Driven'  
Om Shankar Gupta, Servjaeta Verma
18. Impact of Social Media on Voting behaviour in India  
Shobha Chaudhary, Ruchita Sujai Chowdhary
19. The World of Advertising and Boom in Culture  
Vandana Nautoyal, Jitendra Dabral
20. A Study on 'Portrayal of Teenagers in Indian Cinema'  
Shobha Chaudhary, Ritesh Chaudhary
21. The Rise of Digital Media: Complex Landscape of  
Online Communication  
Sagar Kanojia